एक नजर में

30 से अधिक जगह किया होलिका दहन

बड़वानी। शहर में मंगलवार रात 30 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन किया गया। सबसे पहले रात 8 बजे पुरानी कोतवाली के सामने शासकीय होलिका का दहन हुआ। इससे पहले होलिका पर नारियल, कंकु-गुलाल, हरकंकड और फूल माला एवं गोबर के कंडों की मालाएं भी चढ़ाई गई। विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। होलिका दहन के दौरान जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए सभी होलिका दहन स्थलों पर पुलिस जवान तैनात थे। धुलंडी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन लोग गमी वाले परिवारों में जाकर रंग लगाकर संवेदना व्यक्त करेंगे। शासकीय कर्मचारी धुलंडी पर ही रंग पर्व का आनंद लेते हैं। बड़वानी में रंग पंचमी पर रंग पर्व मनाया जाता है। कुछ ग्रामों में यह उत्सव सप्तमी तक चलता है। बुधवार शाम को नवलपुरा में संत खंडेरावजी के जयघोष के साथ गाड़ा खिंचाई का होगी। समें लकड़ी और लोहे की कई टन वजनी गाड़ी खींची जाएगी। इस दौरान राजन मंडलोई बड़वानी विधायक भी मौजूद रहे।

रमजान का दूसरा अशरा-ए-मगफिरत शुरू

बड़वानी। सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल माने जाने वाले बड़वानी शहर में मुकद्दस माह रमजान का पहला अशरा (रहमत) पूर्ण होने के बाद अब दूसरा अशरा (अशरा-ए-मगफिरत) प्रारंभ हो गया है। इस अशरे के चार रोजे भी मुकम्मल हो चुके हैं। शहर में सहरी से लेकर इफ्तार और देर रात तरावीह की नमाज तक रूहानी माहौल बना हुआ है। जहां रोजेदार पूरी अकीदत के साथ इबादत में मशगूल हैं। शहर की बशीरन मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में इन दिनों विशेष रौनक देखने को मिल रही है। तड़के सहरी, दिनभर रोजा और शाम को इफ्तार के बाद तरावीह की विशेष नमाज अदा की जा रही है। तरावीह के दौरान हाफिज अरमान साहब द्वारा सूरा-ए-यूसुफ सहित कुरआन शरीफ की विभिन्न आयतों का पाठ कर उनके अर्थ एवं महत्व को विस्तार से समझाया जा रहा है। वहीं रोजेदार मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और तरक्की की दुआएं मांग रहे हैं। बड़वानी की पहचान उसकी गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द से रही है। रमजान के इस पावन अवसर पर मस्जिदों के आसपास रहने वाले हिंदू समाज के लोग भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभा रहे हैं। इफ्तार कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर शामिल होकर वे आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दे रहे हैं। शहर के वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार अब्दुल अजीज मंसूरी तथा पुलिस विभाग के पीआरओ असद खान ने बड़वानी को सांप्रदायिक एकता की मिसाल बताया। रमजान का दूसरा अशरा शहरवासियों के लिए आत्मशुद्धि, इबादत और सामाजिक सद्भाव को और मजबूत करने का संदेश लेकर आया है।

पानसेमल के गांवों तक पहुंचेगा नर्मदा का पानी

पानसेमल, (नवभारत)। बाबा भीलटदेव की नगरी शिखरधाम नागलवाड़ी में सोमवार को आयोजित कृषि कैबिनेट बैठक में पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक सौगात मिली है। इसमें पानसेमल क्षेत्र के ग्रामों को नर्मदा जल उपलब्ध कराने के लिए लगभग 1208 करोड़ की लागत से माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।

साथ ही जिले में 27746 करोड़ रूपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों को भी हरी झंडी मिली। इस परियोजना से पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के 53 गांवों की करीब 22500 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना के पूर्ण होने पर किसानों को वर्षभर सिंचाई का लाभ मिलेगा, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी तथा किसानों की आय में बढ़ोतरी के साथ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

पानसेमल तहसील के इन ग्रामों के किसानों को मिलेगा लाभ

पानसेमल तहसील क्षेत्र के अंतर्गत धावड़ी, राखी खुर्द, राखी बुजुर्ग, बायगोर, बान्दरियाबड़, करणपुरा, बेहड़िया, भातकी, मलगांव, टेमली मलफा, मोरतलाई, भड़गोन, खेतीया, निसरपुर, आमझीरी, खोड़ामुहाली, टेमला, जाहुर, गोंगवाड़ा, मेंदराना, आमदा, मेलन, कानसुल, राजपुरा, पिपरानी, पनाली, जुनापानी, गोरीखेड़ा, धरड़गांव, खड़की, पानसेमल, चिखल्दा, बालझीरी, मतराला, ओसवाड़ा, जलगोन, दीवड़िया, देवधर, चिखल्दा, मनकुई, रामपुरा, जेतपुरा, सकराली बुजुर्ग, सकराली खुर्द दोंदवाड़ा, हरनिया, पाडलिया, चिचलिया, मालकतर, मोयदा, निहालअम्बा, नांदियाबड़ क्षेत्र किसानों को लाभ मिलेगा।

महत्वपूर्ण स्वीकृति प्राप्त होने पर नगर में कार्यकर्ताओं ने रैली निकाल जश्न मनाया। माइक्रो उद्वहन सिचाई परियोजना से क्षेत्र के हजारों किसान लाभावंतित होंगे। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। बस स्टैंड पर विधायक श्याम बर्डे के आगमन के साथ ही क्षेत्रवासियों ने उन्हें कांधे पर बैठाकर विधायक कार्यालय तक रैली निकाली। विधायक श्याम बर्डे ने स्वीकृति के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव को किसानों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि क्षेत्र की कृषि उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। वहीं खेतिया की कृषि उपज मंडी को आदर्श मंडी बनाने की घोषणा सीएम डॉ मोहन यादव ने की है। विधायक बरडे ने कहा कि क्षेत्रवासियों का स्नेह, आशीर्वाद एवं विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उद्वहन सिंचाई परियोजना की स्वीकृति मिलने पर वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विधायक श्याम बरडे का पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया।

रैली के दौरान क्षेत्र के नागरिकों एवं माता-बहनों ने तिलक लगाकर तथा पुष्पवर्षा कर विधायक बर्डे का अभिनंदन किया। ढोल-मांदल की थाप पर कार्यकर्ता नाचते-गाते सम्मिलित हुए और आभार व्यक्त किया। विधायक ने आश्वस्त करते हुए कहा कि हम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में विधानसभा और प्रदेश की देवतुल्य जनता जनार्दन के लिए विकास कार्यों की सौगात से क्षेत्र के लिए सदेव सेवा में लगे रहेंगे। इस उपलब्धि पर जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित समस्त मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त किया है।

कार्यक्रम के दौरान ये रहे मौजूद

इस दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष साहेबराव चौधरी, पार्षद, भाजपा जिला महामंत्री सचिन चौहान, जिला उपाध्यक्ष राम सोनाने, मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत महाजन, मंडल अध्यक्ष रामचंद्र सोनीस, मंडल अध्यक्ष चेनसिंह गदरे सहित वरिष्ठ नेता, भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुहूर्त में किया होलिका दहन

पानसेमल, (नवभारत)। नगर में गायत्री मंदिर के निकट परम्परा अनुसार होलिका दहन किया गया। नगर के पटेल संजीव सावले ने क्षेत्र की कुशल कामना के साथ होलिका दहन किया। जिसके बाद जयकारों के साथ नगरवासियों ने जलती हुई होली की परिक्रमा की।

दांडे के रोपण के साथ ही श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ पूजन किया। 3 मार्च को सुबह 5.30 पर होलिका दहन हुआ।

होलिका दहन के साथ ही क्षेत्रवासी गेहूं की बालियां और चने सेकते दिखाई दिए। थाना प्रभारी मंशाराम वगेन के नेतृत्व में आवश्यक व्यवस्थाएं रही। नगर पटेल संजीव सावले द्वारा पटेल बनने के बाद प्रथम बार होलिका दहन किया गया।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में देश निरंतर प्रगति की ओर

बड़वानी, (नवभारत)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महान भारतीय वैज्ञानिक सर सीवी रमन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। विद्यालय प्राचार्य कुंदन राठौर ने कहा कि देश विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की ओर है।

▶ 1928 में आज ही के दिन श्रमन प्रभाव की खोज हुई थी।

हर भारतीय को इसरो पर गर्व...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नवाचार और एआई एवं कौशल उन्नयन के क्षेत्र में चमत्कारिक परिवेश निर्मित किया है। हर भारतीय को इसरो पर गर्व है। 1928 में आज ही के दिन श्रमन प्रभाव की खोज हुई थी, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला।

इस वर्ष का कार्यक्रम विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक और वैज्ञानिक नवाचारों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा टेलिस्कोप का लाइव प्रदर्शन और इसके तकनीकी पहलुओं पर आधारित विशेष प्रोजेक्ट रहा। छात्रों ने टेलिस्कोप के लेंस, उसकी क्षमता और फोकस करने की तकनीक का प्रदर्शन किया।

छात्रों में जगाई जा रही शोध के प्रति जिज्ञासा

विज्ञान शिक्षकों ने बताया कि पीएमश्री योजना के तहत छात्रों को आधुनिक उपकरणों से जोड़कर उनमें शोध के प्रति रुचि जगाई जा रही है। विज्ञान आधारित मॉडल्स एवं तकनीक के प्रदर्शन में शिक्षक सागर सनोदिया का योगदान रहा। मनीष पंवार ने आयोजन का समन्वय किया। इस दौरान आभा जैन, जितेंद्र सिंह और बविता कोहली भी मौजूद थे।

आलीराजपुर में रंगों की उमंग : कलेक्टर आवास पर स्नेह, सौहार्द और समरसता का होली मिलन

आलीराजपुर। रंगों, उल्लास और आत्मीयता के महापर्व होली पर जिला मुख्यालय आलीराजपुर में उत्सव का अनूठा दृश्य देखने को मिला। नीतु माथुर के आवास पर आयोजित भव्य होली मिलन समारोह में जिले के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। वातावरण में अबीर-गुलाल की सुगंध और पारंपरिक लोकगीतों की मधुर गूंज के बीच सभी ने एक-दूसरे को रंग लगाकर पर्व की शुभकामनाएँ दीं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित होकर उपस्थित रहे। सभी ने आत्मीयता के साथ एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रशासनिक परिवार की एकजुटता और आपसी समन्वय का परिचय दिया।

कलेक्टर नीतु माथुर ने उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि 'होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि यह प्रेम, सद्भाव, समरसता और सामाजिक एकता का प्रतीक है। हमें अपने दायित्वों के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी सशक्त रखना चाहिए।' उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक रंगों के उपयोग तथा सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील की।

समारोह के दौरान हंसी-ठिठोली, पारंपरिक गीतों और सामूहिक सहभागिता ने उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। अधिकारियों ने प्रशासनिक व्यस्तताओं से थोड़ी देर विराम लेकर पारिवारिक वातावरण में पर्व का आनंद लिया। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि प्रशासन केवल दायित्वों का तंत्र नहीं, बल्कि एक मानवीय परिवार भी है, जहाँ आपसी विश्वास, सहयोग और संवाद से ही कार्य संस्कृति सशक्त बनती है।

होली मिलन कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ पारस्परिक सौहार्द और टीम भावना को सुदृढ़ बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रंगों की इस फुहार ने जिले में सकारात्मक ऊर्जा और सामूहिक एकजुटता का संदेश प्रसारित किया।

हेमेन्द्र पाटीदार को माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा में प्रदेश मेरिट में स्थान

पेटलावद। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा दिनांक 09 अक्टूबर 2025 से 15 अक्टूबर 2025 तक प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यमिक शिक्षक के 13009 पदों हेतु चयन परीक्षा-2025 आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में प्रदेश भर से 1,03,494 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था।

इस कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच झाबुआ जिले की तहसील पेटलावद के ग्राम अमरगढ़ निवासी हेमेन्द्र पाटीदार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की सामान्य मेरिट सूची में 97वां स्थान तथा अपनी श्रेणी में 18वां स्थान प्राप्त कर न केवल अपने ग्राम अमरगढ़ बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। हेमेन्द्र पाटीदार की इस उल्लेखनीय सफलता से गांव में खुशी का माहौल है। परिवारजन, मित्रों तथा ग्रामवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ग्रामवासियों का कहना है कि हेमेन्द्र की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और आने वाले समय में अधिक से अधिक युवा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजजनों और शिक्षाविदों ने भी हेमेन्द्र पाटीदार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पेटलावद में महिला इकाई ने धूमधाम से मनाया फाग उत्सव

▶ लक्ष्मी नारायण मंदिर पर दिखा भक्ति और उल्लास का संगम

पेटलावद। पेटलावद राठौड समाज परिवार की टीम के द्वारा रविवार शाम 7 बजे राठौड़ समाज पेटलावद के लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में फूल और गुलाल पारंपरिक फाग उत्सव श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया।

भगवान लक्ष्मी नारायण जी की महा आरती उतारी गई आरती के बाद प्रसादी वितरण भी महिलाओं के द्वारा किया गया यह कार्यक्रम की शुरुआत पेटलावद नगर के लक्ष्मी नारायण मंदिर पर प्रथम बार शुरू की गई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ समाज में एकता, भाईचारे और सौहार्द का संदेश देना रहा। फाग उत्सव के रंगों से सजा यह आयोजन राठौड समाज की मजबूती, मातृशक्ति की सक्रिय भूमिका और सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण बना।

एक नजर ▶ दो सगे भाइयों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार

गुजरात में दर्दनाक सड़क हादसा : महेंद्रा गांव के तीन युवकों की मौत

आलीराजपुर। जिले की ग्राम पंचायत महेंद्रा के आडापाहन फलिया में उस समय मातम छा गया जब गुजरात में हुए एक भीषण सड़क हादसे में गांव के तीन युवकों की दर्दनाक मौत की खबर पहुंची। होली का पर्व मनाने घर लौट रहे इन युवाओं की असमय मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया। मंगलवार को तीनों का अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को अत्यंत भावुक बना दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना गुजरात राज्य के अमरैली जिला की लिलीया तहसील अंतर्गत ग्राम गुनदाणा में हुई। मजदूरी कार्य के लिए गए चार युवक बाइक से लौट रहे थे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उनकी बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

परिवारों को उचित सहायता की मांग की

गांव में एक साथ तीन युवाओं की असमय मृत्यु से गहरा शोक व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित सहायता प्रदान करने की मांग की है।यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और सावधानी की आवश्यकता की याद दिलाता है, साथ ही यह भी दर्शाता है कि मजदूरी के लिए बाहर गए ग्रामीण परिवार किन जोखिमों से गुजरते हैं।

हादसे में हिमराज (15) पिता सवलसिंह, रयलेश (12) पिता समसिंह तथा जयेश (20) पिता वरसिंह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वहीं सुनील (22) पिता वरसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार अस्पताल में जारी है। मृतक हिमराज और रयलेश सगे भाई थे, जबकि जयेश और सुनील आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। चारों युवक ग्राम महेंद्रा के आडापाहन फलिया निवासी थे और गुजरात में मजदूरी कर परिवार का सहारा बने हुए थे।

बताया जा रहा है कि चारों युवक होली पर्व मनाने अपने गांव लौट रहे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। खुशियों का त्योहार उनके परिवारों के लिए आजीवन न भूलने वाला शोक बन गया।

मंगलवार को जैसे ही तीनों युवकों के पार्थिव शरीर गांव पहुंचे, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। सबसे मार्मिक दृश्य तब सामने आया जब दो सगे भाइयों हिमराज और रयलेश का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। इस हृदय विदारक क्षण ने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की आंखें नम कर दीं। तीसरे युवक जयेश का अंतिम संस्कार भी परिजनों और ग्रामीणों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।